General Secretary of Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh is posted at Kanpur and the President has recently been transferred to Delhi, the Headquarters of the Rashtriya Kendriya Vidyalayas Adhyapak Sangh (RKVAS).

The President was nominated by the Executive Committee of the Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh in their meeting held on 25. 12. 1987 at Panipat.

Eye camp organised by the Lion's club in Kolar district in Karnataka

263. SHRIMATI SURYAKANTA JAYAWANTRAO PATIL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to refer to the reply to the Unstarred Question 3035 given in the Rajya Sabha on the 23rd March, 1988 and state:

(a) the number of operation$_s$ that were performed and what ^ the exact numher of successful, and unsuccessful operations done at the camp organised by Lions' club of Chintamani town, district Kolar of Karnatak on the 27th January, '1988;

(b) whether any patient has lost liis' eye sight after the operation; Jind

(c) if so, what are the details (thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) Out of 151 Cataract Operations performed i$_n$ the camp, organise^ by the Lions' Club Of Chintamani Town, District Kolar, Karnataka, between 21-1-88 and 5-2-88, 73 cases were reported to be . in good condition, 70 cases developed post-operative infection and 8 cases did not turn up for final check-up nor could be traced by a team of Specialists which visited their bouses in the villages for followf-up.

(b) and (c) 70 cases lost their sight in the eyes which were operated upo$_n$ as a result of post operative infection in the operated eyes due to Psendomanas Pyocyaneous.

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों से नवजात शिशुओं की चोरी

264. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली के सरकारी अस्पतालों से नवजात शिशुओं की चोरी के कितने मामले प्रकाश में आए है ;

(ख) ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जिनमें शिशु को उसके माता-पिता को वापस लौटाया जा सका है ;

(ग) कितने मामलों में अस्पताल के कर्मचारी लिप्त पाए गए तथा उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई; और

(घ) भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपचारी उपाय किए हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जहां तक केन्द्र सरकार के अस्पतालों का संबंध है, पिछले तीन वर्षों के दौरान बच्चे उठाने/बदलने के केवल चार कथित मामले सूचित किए गए हैं ।

(ख) श्रीमती सुचेता कृपलानी और सफदरजंग अस्पताल से एक-एक बच्चा उठाया गया था जिन्हें पुलिस ने ढूंढ लिया है और माता पिता को सौंप दिया है । श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल के एक मामले का अभी तक पता नहीं चला है क्योंकि यह मालूम हुआ कि बच्चे की मां ने खुद ही अपने बच्चे को एक अज्ञात स्त्री को दे दिया था । चौथा मामला सफदरजंग अस्पताल से नवजात शिशु को बदलने का है । पुलिस ने एक बच्चे को उत्तर प्रदेश के एक शहर खुर्जा में पाया, जिसे कि बदले गए बच्चों की मां ने अपना बतलाया है । न्यायालय द्वारा

बच्चे को सुपरदारी तथा 10,000/- रुपये के दो बन्ध पत्रों, पर मां को सौंप दिया गया ।

(ग) इन मामलों में अस्पतालों का कोई भी कर्मचारी लिप्त नहीं पाया गया था ।

(घ) बच्चों को चुराने/बदलने की सम्भावनाओं से बचने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने 16 फरवरी, 1988 को नए दिशानिदेश जारी किए हैं ।

कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम

265. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुष्ठ रोग निवारण अभियान के संबंध में चल रही विभिन्न योजनाओं के नाम क्या हैं ;

(ख) क्या सरकार "विकलांग दिवस" की तरह "कुष्ठ रोगी दिवस" मनाने का विचार रखती है ; और

(ग) कुष्ठ रोगियों को आर्थिक रूप से पुनर्वासित करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत इस समय चल रही योजनाएं इस प्रकार हैं :—

(1) कुष्ठ रोगियों का शुरू में पता लगाना और उसका उपचार करना ।

(2) सभी स्थानिकमारी जिलों में चरण-बद्ध रूप में बहु-औषध उपचार शुरू करना ।

(3) कुष्ठ रोगियों, उनके परिवार के सदस्यों और समुदाय को स्वास्थ्य शिक्षा देना ।

(4) स्वास्थ्य कार्मिकों को प्रशिक्षण देना ।

(5) चिकित्सा पुनर्वास ।

(6) सर्वेक्षण, शिक्षा और उपचार योजनाओं के जरिए कुष्ठ रोग में काम कर रहे स्वयंसेवी संगठनों को प्रोत्साहन ।

(ख) 30 जनवरी को पहले से ही "कुष्ठ रोग रोधी दिवस" के रूप में मनाया जा रहा है ।

(ग) इस समय राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत कुष्ठ रोगियों के आर्थिक पुनर्वास के लिए कोई भी योजना नहीं है तथापि, अपाहिज व्यक्तियों हेतु संगठनों को सहायता देने की योजना के अन्तर्गत अपाहिजों के लिए पुनर्वास, शारीरिक मनोविज्ञानी, सामाजिक और आर्थिक सेवाएं विकसित करने के लिए कल्याण मंत्रालय द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है ।

Shifting: of Tezpur Station to Dekar-ffaon

266. SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY; Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state-.

(a) whether Government have received a large number of representations from various organisations during the last few months demand-I ing the immediate shifting of the Tezpur Railway Station from Tezpur town to Dekargaon where a suburban railway station exists and also to convert Dekargaon Station, into a full-fledged Railway Station ag the Tezpur Railway Station connected by 5 Km. long rail track along the national highway within the town cause, serious hardship and inconvenience to the inhabitants of the Tezpur town; and

(b) if so, whether Government have taken any decision in this mat ter?